जिला मुख्यालय में लाखों लीटर बर्बाद हो रहा पानी

बैढ़न के मुख्य मार्गों में सड़क के किनारे मिट्टी का लगा ढ़ेर, दुर्घटनाएं की बनी रहती हैं संभावनाएं, प्रभारी मंत्री का निर्देश बेअसर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । जिला मुख्यालय बैढ़न कलेक्ट्रोरेट के सामने पार्क के समीप अमृत जल योजना की पाइप क्षतिग्रस्त होने से रोजाना लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। फिर भी इसके सुधार के लिए पिछले पॉच दिनों से किसी की नजर नही पड़ रही है। जबकि यहां से 5 एचपी मोटर के बराबर पानी बह रहा है। फिर भी ननि अमला बेफिक्र है।

यहां बताते चले कि सरकारें पानी के संरक्षण की बाद करती है। कार्यक्रम में कई करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन यह सही है कि औसतन प्रतिदिन अमृत जल नाली में पहुंच रहा है। यह वही नॉन-रेवेन्यू वॉटर है, जिसके बारे में राष्ट्रीय रिपोर्टें चेतावनी दे चुकी हैं कि कई भारतीय शहरों में 30-40 फीसदी तक पीने का पानी इसी तरह लीकेज और चोरी से गायब हो जाता है। अजीब विडंबना यह है कि जहां यह पानी बह रहा है, वहीं पर नगर निगम एवं कलेक्ट्रोरेट का मुख्यालय भी स्थित है, यानी जिन अफसरों को शहर की बूंद-बूंद बचाने की जिम्मेदारी दी गई है, उनके दफ्तर के बाहर ही हफ्ते भर से अमृत जल की नहर बह रही है। अमृत 2.0 की परिचालन गाइडलाइन साफ कहती है कि हर नगर निकाय को लीकेज मापन, जल-ऑडिट और नॉन-रेवेन्यू वॉटर घटाने के लिए अलग सैल बनाना है, जोनवार लीकेज मैपिंग करनी है और किसी भी तरह के रिसाव पर तत्काल असरदार कार्रवाई करनी है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यहां न तो पानी रोका गया, न प्रेशर कम किया गया, न ही पाइपलाइन को ट्रेस करने के लिए आधुनिक उपकरण लगाए गए, बस खानापूर्ति के लिए गड्ढा खोदकर अमृत जल को नाली में मिला दिए हैं और यह अमृत जल पानी में बह रहा है।

जब सप्लाई होता है, तभी बर्बाद होता है पानी

पिछले चार-पॉच दिनों से सुबह-शाम के वक्त जब जलापूर्ति की जाती है, तभी हजारों-लाखों लीटर पानी बहने लगता है। पानी के बर्बादी को देख लोगबाग भी नगर निगम को कोसने में पीछे नही रहते। पानी के बर्बादी को देख यही कहा जा रहा है कि अमृत जल का पानी बूंद-बूंद सहजोने के बदले इसे बर्बाद किया जा रहा है। कहीं न कहीं नगर निगम अमले की लापरवाही सामने आर रही है। इसी तरह कई अन्य जगह भी आये दिन पाइप के लीकेज होने की शिकायतें मिलती रहती हैं। साथ ही कई ऐसे ननि के उपभोक्ता हैं, जिनके द्वारा कनेक्शन लेकर पानी की बर्बादी भी की जा रही है। जबकि ननि आयुक्त पानी के बर्बादी को रोकने के लिए सख्त हैं।

सड़क के किनारे मिट्टी का ढेर, दुर्घटना की आशंका

गैस पाइपलाइन बिछाने के नाम पर ठेकेदारों ने सड़क खोदकर निकली मिट्टी उसी के किनारे ढेर कर दी है, जिससे पहले से ही संकरी सड़क और सिमट गई है। इस तरह के हालात जिला मुख्यालय बैढ़न के मुख्य मार्ग के अलावा अन्य मार्गो में भी है, जहां पाइप लाइन के लिए बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिये गये हैं। शहर के प्रमुख मार्गो में पाइप लाइन के लिए खोदे गये गड्ढो को देख हर कोई ननि अमले को कोसने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहे हैं। जबकि पिछले माह प्रभारी मंत्री का दौरा हुआ था। उन्होंने ने भी शहर के सड़को को सुधारने का तत्काल निर्देशित किया था। सड़क कटिंग के लिए जारी मानक निर्देश साफ कहते हैं कि खुदाई के बाद मिट्टी को ढंककर जल्द से जल्द हटाना और धूल नियंत्रण के उपाय करना ठेकेदार की जिम्मेदारी है, लेकिन यहां नियमों की खुली अनदेखी हो रही है।

कुश्ती प्रतियोगिता में कात्यायनी ने उज्जैन में जीता कांस्य पदक

प्रदेश के उज्जैन में कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ समापन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । शासकीय महाविद्यालय बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा कात्यायनी द्विवेदी ने एक बार फिर से जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन की है। इस बार कुश्ती प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहते हुये कांस्य पदक हासिल की है।

दरअसल म.प्र. एमोच्चोर कुश्ती संघ के द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन उज्जैन में किया गया था। जहां महिला-पुरूष समेत तीन खिलाड़ियों का चयन सिंगरौली से किया गया था। जिसमें कात्यायनी द्विवेदी भी शामिल थी। आज प्रतियोगिता के आखिरी दिन कात्यायनी द्विवेदी ने तीसरा स्थान अर्जित करते हुये कांस्य पदक प्राप्त किया है। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. विनोद राय ने उक्त आशय की जानकारी देते हुये बताया कि उज्जैन में आयोजित उक्त प्रतियोगिता के अंतिम दिन कात्यायनी ने तीसरा स्थान अर्जित किया है।

एक नजर में

आरसीएसएस के चार नेताओं पर अपराध दर्ज

सिंगरौली। आरसीएसएस सिंगरौली के चार पदाधिकारियों पर न्यायालय के निर्देश पर धोखाधड़ी का मामला मोरवा थाने में दर्ज हुआ है। मोरवा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इंटक के बिरेन्द्र सिंह बिष्ट ने न्यायालय का शरण लिया था। जहां कई गंभीर आरोप मिलने पर न्यायालय के निर्देश पर आरसीएसएस के नेता पुष्पराज सिंह, मनोहर सिंह, इन्द्रेश कुमार सिंह एवं आर्यन ओझा पर फर्जी हस्ताक्षर करने समेत धोखाधड़ी करने का अपराध बीएनएस की धारा 420, 465, 468, 469, 471 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

बरका के जबरा-भवरा का काट ले गये केबिल

सिंगरौली। विद्युत सब स्टेशन सरई के बरका गांव स्थित जबरा-भवरा टोला के बिजली केबिल को एमपीईबी अमले ने काट ले गये। बताया जा रहा है कि बिजली का बिल जमा नही कर रहे थे। जिसके चलते एमपीईबी अमला ने यह कदम उठाया है। ग्रामीणों का कहना है कि दो महीने के बाद बोर्ड की परीक्षाएं आरंभ होने वाली हैं। यदि बिजली नही मिली तो बच्चों की पढ़ाई पभावित होगी। यहां के कई ग्रामीणों ने विधायक देवसर को पत्र लिखकर बिजली व्यवस्था सुचार रूप से बहाल कराये जाने की मांग की है।

श्रम कानूनों का नहीं हो रहा कड़ाई से पालन

सिंगरौली। जिले के वैरासीटी सप्लाई चैन प्रा.ली. के प्रबंधन पर श्रम विभाग मेहरवान है। आरोप है कि गजरा-बहरा के श्रमिको ने पिछले मंगलवार को कलेक्टर के जनसुनवाई में उक्त कंपनी के प्रबंधक महेश शुक्ला पर श्रम नियमो का पालन न करने का आरोप लगाते हुये शिकायत किये थे। किंतु एक सप्ताह होने जा रहा है, अभी तक श्रम विभाग उक्त शिकायतो का निराकरण नही किया है। जिससे श्रमिको में जहां असंतोष बढ़ रहा है। वहीं कंपनी पर मेहरवान श्रम विभाग पर भी तरह-तरह के उंगलियां उठा रहे हैं।

रेत चोरी में कांग्रेसी नेता का नाम आया सामने, खनिज की कार्रवाई

पचखोरा से अवैध रेत के साथ हाईवा वाहन जब्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । खनिज विभाग ने रविवार की अलसुबह पचखोरा में रेत का अवैध परिवहन कर रहे एक हाईवा वाहन को दबोचते हुये सुरक्षार्थ कोतवाली बैढ़न में खड़ा कराया गया है। आरोप लग रहा है कि उक्त रेता के अवैध कारोबार में कांग्रेसी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य संदीप शाह का नाम जोड़ा जा रहा है और यह भी आरोप है कि कांग्रेसी नेता कुछ वर्षो से रेत के अवैध कारोबार में संलिप्त है।

कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश एवं जिला खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने आज रविवार की सुबह बैढ़न के पचखोरा में एक बिना नम्बर का हाईवा वाहन रेत परिवहन करने जा रहा था। जिसकी जानकारी खनिज अमले को लगी। तत्काल खनिज अमला मौके से पहुंच हाईवा वाहन चालक से ईटीपी की मांग की गई। परंतु सूत्र बताते हैं कि मौके पर वाहन चालक रेता परिवहन करने संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सका। जिसे उक्त वाहन को खनिज विभाग की टीम ने सुरक्षार्थ कोतवाली परिसर में खड़ा कराया है। इधर खनि एवं खान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। उधर खनिज विभाग का ही दावा है कि उक्त अवैध रेता संदीप शाह से जुड़ा हुआ मामला है। यहां बताते चले कि संदीप शाह कांग्रेसी नेता के साथ-साथ जिला पंचायत सदस्य भी हैं और रेत के खेल में संलिप्त हैं। हालांकि संदीप ने इन सभी आरोपो को नकार दिया है।

इनका कहना :-

सुनने में आया है कि खनिज अमले ने एक हाईवा वाहन को रेत के साथ पकड़ा है। हाईवा मेरा नही है, दीपेश गनियारी के नाम से है। मेरा नाम बेवजह घसीटा जा रहा है। मैं रेत का कारोबार नही करता हूँ।

संदीप शाह
कांग्रेसी नेता एवं जिपं सदस्य, सिंगरौली

खेल जीवन में प्रतिस्पर्धा एवं भाईचारा का माध्यम है : विश्वामित्र

देवसर में राज्य स्तरीय शालेय फील्ड आर्चरी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

देवसर 7 दिसम्बर । स्व. लक्ष्मीकांत पाठक स्मृति स्टेडियम देवसर में चार दिवसीय 69वीं राज्य स्तरीय शालेय फील्ड आर्चरी प्रतियोगिता 2025-26 का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक विश्वामित्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता की रूपरेखा तथा आयोजन की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर विधायक विश्वामित्र पाठक ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में विधानसभा क्षेत्र सिहावल के देवसर में इस भव्य और गौरवशाली आयोजन की मेजबानी के लिए म.प्र. शासन शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देवसर में इस तरह का आयोजन सौभाग्य की बात है, इससे शिक्षा विभाग ही नहीं अपितु पूरा क्षेत्र गौरवान्वित है। विधायक ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने खेलो को सर्वाधिक महत्व दिया है। उन्होंने आगे कहा कि खेल शारीरिक, मानसिक एवं समरसता के साथ ही प्रतिस्पर्धा और भाईचारा का अच्छा माध्यम है। आयोजक मंडल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में अखिलेश सिंह एसडीएम, गायत्री तिवारी एसडीओपी, राज्य स्तरीय क्रीड़ा अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, अश्वनी मालवीय, सुरेश प्रसाद कुशवाहा, टीआई रोशनी कुर्मी, प्रदेश, संभाग व जिला क्रीडा अधिकारी, विद्यालयों के प्राचार्यगण, प्रदेश भर से आए खेल प्रतिभागी, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य जन मौजूद रहे।

झोखो गांव में महुआ देशी शराब का अवैध कारोबार

कई घरों में बन रही शराब, आबकारी व पुलिस महकमा बेखबर

नवभारत न्यूज

चितरंगी 7 दिसम्बर । चितरंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झोखो गांव में महुआ से बनी देशी शराब का अवैध कारोबार खुलेआम और जोर-शोर से चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध धंधे को पुलिस एवं आबकारी अमले की मिलीभगत का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते शराब कारोबारी बेखौफ होकर अपना कारोबार फैला रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार गांव के कई घरों में अवैध रूप से महुआ शराब का निर्माण कर बिक्री की जा रही है। दिन-रात शराब की आवाजाही बनी रहती है, जिससे गांव का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार संबंधित विभागों में शिकायतें की गईं, लेकिन न तो पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई की गई और न ही आबकारी विभाग ने गंभीरता दिखाई। अवैध शराब के बढ़ते व्यापार का सबसे अधिक असर गांव के युवाओं और महिलाओं पर पड़ रहा है। युवा नशे की गिरफ्त में आते जा रहे हैं, वहीं महिलाओं एवं बच्चों को घरेलू हिंसा, आर्थिक तंगी और सामाजिक असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। नशे की वजह से कई परिवार बिखरने की कगार पर हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि झोखो गांव में चल रहे महुआ देशी शराब के अवैध कारोबार की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी शराब कारोबारियों के साथ-साथ संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

आईटीआई परिसर में चला अतिक्रमण पर बुल्डोजर

नवभारत न्यूज

चितरंगी 7 दिसम्बर । उपखंड अधिकारी सौरभ मिश्रा एवं तहसीलदार ऋषिनारायण सिंह के मौजूदगी में आईटीआई परिसर में बेजा कब्जाधारियों के कच्चे मकान पर बुल्डोजर चला कर ध्वस्त कराया गया। तीन कच्चे मकान बने थे।

जानकारी के अनुसार चितरंगी मुख्यालय स्थित जगन्नाथ सिंह स्मृति महाविद्यालय के पास बन रहे आईटीआई कॉलेज परिसर में पिछले कई वर्षों से कुछ कच्चे मकान बने हुए थे, जिन्हें अतिक्रमण की श्रेणी में पाया गया। निर्माण क्षेत्र में कुल तीन कच्चे मकान अतिक्रमण के दायरे में आए, जिनमें से दो मकानों को प्रशासन ने बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस बल मौजूद रहा। वहीं प्रभावित परिवारों का कहना है कि उन्हें घर का सामान सुरक्षित निकालने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया।

माजन मोड़ टू इन्द्रा चौक की सड़क कई महीनों से मार रही हिचकोले

मरम्मत के नाम पर नहीं शुरू हुआ कार्य, कलेक्ट्रेट मार्ग में दिखा गड्ढा तो शुरू हुई भरने की कवायद, जनता त्रस्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । जिला मुख्यालय बैढ़न के माजन मोड़ से लेकर इन्द्रा चौक सड़क मार्ग जिसकी दूरी लगभग 7 से 8 किलोमीटर पर वाहन चलाना हिचकोले मारने के समान है। पूरे शरीर की हड्डियां इन गड्ढों के वजह से टकराने लगती है। इसके बावजूद सड़क मार्ग का मरम्मत नही होने से आम जनता व वाहन चालक काफी परेशान हैं।

एक तरफ कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर थोड़ा सा गड्ढा दिखा तो उसे भरने की कवायद शुरू हो गई, लेकिन मुख्य मार्ग पर किसी भी अधिकारी का ध्यान नही जा रहा है। गौरतलब हो कि माजन मोड़ राजीव चौक से लेकर विंध्यनगर तक सड़क मार्ग लगभग 7 से 8 महीने से पूरी तरीके से खराब हो चुकी है। यह सड़क मार्ग अब चलने योग्य बिल्कुल नही है। यहां पर वाहन चलाना खतरे से खाली नही है। तकरीबन 7 माह से सड़क पूरी तरीके से डैमेज हो चुकी है। इसके बावजूद अभी तक बदहाल सड़क को सुधारने को लेकर नगर निगम ने कोई कारगर कदम अभी तक नही उठाया है। हालात दिनों दिन खराब हो रहे हैं। क्योंकि जगह-जगह सड़क पर गड्ढे बन गये हैं। यह गड्ढे अब भयावह रूप ले रहे हैं। हालात तो ऐसे बन गये हैं कि अगर दो पहिया वाहन चालक माजन मोड़ से लेकर विंध्यनगर तक जाना हो तो गड्ढों के चलते पूरे शरीर दर्द से कराहने लगती है। कई बार नगर निगम का इस ओर ध्यानाकर्षण कराया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट के पास थोड़ा से गड्ढा दिखा तो उसे भरने की कवायद आनन-फानन में कर दी गई, लेकिन मुख्य मार्ग को लेकर जिम्मेदार अधिकारी अभी तक कोई कदम नही उठा रहे हैं।

किसानों को अब तक नहीं मिला फसल नुकसानी का दाम : अशोक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । किसानों की फसल बर्बाद हुई है। लेकिन सरकार किसानों को फसल नुकसानी नही दे रही है। कहीं न कहीं किसानों के साथ सरकार धोखा कर रही है। उक्त आरोप किसान कांग्रेस सिंगरौली के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह पैगाम ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही है।

उन्होंने आगे कहा है कि अतिवृष्टि से किसानों के धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। बारिश के चलते धान की फसल खेत में ही गिली होने के चलते उग आई थी और किसानों की धान की फसल अधिकांश सड़ गई थी। किसानो की धान की फसल की आर्थिक क्षति दिलाने के लिए जिला एवं खंड प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया था। कलेक्टर से आश्वासन मिला की तत्काल पटवारी खेत में जाएंगे और किसान की धान की फसल जांच प्रतिवेदन रिपोर्ट तैयार कर एक सप्ताह के अंदर किसानों को नुकसानी का राहत राशि दिया जाएगा। जबकि पटवारी किसानों के खेत में सर्वे करने भी गए और उनके द्वारा कहा भी गया कि जिले के कलेक्टर से आदेश है कि ज्यादा प्रतिशत नहीं दिखानी है। इसे साफ तौर से कहा जा सकता है की जिला प्रशासन या प्रदेश के मुखिया किसानों को धान का फसल का नुकसान नहीं देना चाहती है। किसान कांग्रेस कमेटी ग्रामीण द्वारा के बहुत जल्द धान की फसल के नुकसान एवं अन्य समस्याओं को लेकर सरकार को घेरने का काम करेगा।

जिला किसान कांग्रेस शहर की कार्यकारिणी का हुआ ऐलान

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । जिला कांग्रेस कमेटी किसान कांग्रेस शहर सिंगरौली के अध्यक्ष मनोज कुमर दुबे ने नई कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया गया है।

पार्टी के प्रदेश कार्यालय से अनुमोदन के बाद कुल 18 पदाधिकारियों को नई जिला कार्यकारिणी में स्थान मिला है। उपाध्यक्ष में नंदकिशोर सिंह, मानप्रसाद वैश्य, दादेराम दुबे, रामकया यादव महासचिव नियुक्त नंदलाल साकेत, विजय दुबे, रावेन्द्र शर्मा, सयुब वेग सचिव पद पर नियुक्त रामानुग्रह वैश्य, केशचन्द्र यादव, सत्यनारायण वैश्य, अर्जुन सिंह वैश्य, धर्मराज पनिका, जयमंजन पटेल, रामानुज शाह, संयोजक एवं सह-संयोजक पुष्पराज नापित, सह-संयोजक काली भगत यादव, आशीष कुमार वैश्य, जिलाध्यक्ष ने दी बधाई, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार दुबे ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए आग्रह किया कि वे किसान कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

अधिकारियों ने माना की एक कमरे में चल रही टोपा टोला की विद्यालय

पेयजल पर बीआरसीसी का मौन धारण, बीआरसी के निरीक्षण पर खड़े हो रहे कई सवाल, कागजों में ज्यादा निरीक्षण

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 7 दिसम्बर । जिले के विकास खण्ड देवसर के जन शिक्षा केन्द्र गन्नई के शासकीय प्राथमिक शाला टोपा टोला-कुकरांव विद्यालय के निरीक्षण में यह राज तो खुला और अधिकारियों ने माना कि एक कमरे में विद्यालय चल रहा है। लेकिन अधिकारियों ने यह जिक्र नही किया कि इस विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था बदहाल है।

इधर बता दें कि जिले में कई ऐसी विद्यालय शासकीय हैं जो कि देख-रेख के अभाव में जीर्णशीर्ण हालत में होती जा रही है। जबकि इधर सूत्र दावा करते हैं कि डीएमएफ फण्ड से विद्यालयों के रख-रखाव और रंग-रोगन के लिए पूर्व में कई करोड़ रूपये स्वीकृत हुआ था। जहां विद्यालय नही है, वहां विद्यालय बनाया जाये, जिन विद्यालयों की हालत खराब है, उनका मरम्मत कराया जाये। लेकिन करोड़ों रूपये किसके खजाने में गये और किस-किस ने इसका स्वाद चखा, यह चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन सवाल यह है कि जबकि टोपा टोलाविद्यालय की बदहाल व्यवस्था को प्रमुखता के प्रकाशित किया गया तो अधिकारियों की नींद खुली और आनन-फानन में निरीक्षण के लिए भेजा गया। जहां अधिकारियों ने निरीक्षण किया और माना कि विद्यालय में कमी है। फर्श टूटे हुये हैं, एक कमरा जर्जर है। इधर आरोप है कि यदि बीआरसी विद्यालयों का निरीक्षण करते तो शायद इस तरह के हालात सामने न आते और व्यवस्था सुधरती।

गुणवत्ता युक्त मिल रहा मध्यान भोजन : डीपीसी

डीपीसी आरएल शुक्ला ने बताया कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय टोपा टोला के संबंध में अपना पक्ष रखते हुये कहा कि प्राथमिक विद्यालय टोपा टोला में बच्चों को मीनू के आधार पर गुणवत्ता युक्त मध्यान्ह भोजन नहीं दिया जा रहा है। विद्यालय के कमरे जर्जर हालत में है, बच्चे बाहर बैठ के पढ़ रहे हैं। खबर संज्ञान में आते ही बीआरसी द्वारा जांच कराया गया। जांच प्रतिवेदन एवं पंचनामा में यह उल्लेख किया गया है, विद्यालय में गुणवत्ता युक्त दाल-चावल व सब्जी मध्यान्ह भोजन में दी जा रही है। विद्यालय में मात्र 16 बच्चे ही अध्ययनरत है। एक कमरा सही स्थिति में है, जिससे पंचायत के द्वारा निर्मित कराया गया है, इसमें बच्चे पढ़ते हैं। जिन कमरों की स्थिति जर्जर है, वहां कक्षा संचालित नहीं की जाती है। ठंड के मौसम की वजह से शिक्षिका द्वारा बच्चों को बाहर पढ़ाया जा रहा था।